vkdk'kok.kh Jh fot ; iije

दिनांक : 02.05.2026 समय : 1905

<><><><><><><>

1. स्वराज द्वीप के राधानगर बीच पर पानी के अंदर सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर अंडमान निकोबार प्रशासन ने एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
2. समुद्र के भीतर स्वराज द्वीप के लाइटहाउस डाइव साइट पर, कल ''सबसे ऊंचा मानव पिरामिड'' बनाकर एक और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया जाएगा।
3. विज्ञान केन्द्र द्वारा आयोजित हॉलिडे कैंप का आज उद्घाटन हुआ।
4. केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान की ओर से कल कालिकट में किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार प्रशासन ने आज, स्वराज द्वीप (हैवलॉक) के राधानगर बीच पर पानी के अंदर सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड सफलतापूर्वक बनाया। लगभग 60 मीटर लम्बा और 40 मीटर चौड़ा यह विशाल ध्वज, कई एजेंसियों और कुशल गोताखोरों के सावधानीपूर्वक समन्वित प्रयास से समुद्र के नीचे फहराया गया। उपराज्यपाल एडमिरल डी.के. जोशी, प्रशासन के मुख्य सचिव चंद्र भूषण कुमार और पुलिस महानिदेशक एच.एस. धालीवाल और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस कार्यक्रम में शामिल होकर इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने। अंडमान निकोबार पुलिस, वन विभाग, भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के कर्मियों के साथ–साथ द्वीप समूह के विभिन्न डाइविंग केंद्रों के स्कूबा गोताखोरों ने इस जटिल पानी के अंदर के ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा करने में योगदान दिया। आज सुबह साढ़े दस बजे ध्वज फहराने का काम पूरा होने पर, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के निर्णायक ऋषि नाथ ने आधिकारिक तौर पर एक नए विश्व रिकॉर्ड बनने की घोषणा की और अंडमान निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का प्रमाण पत्र प्रदान किया। सभा को संबोधित करते हुए, उपराज्यपाल ने गोताखोरों, अधिकारियों और इसमें शामिल सभी हितधारकों की असाधारण टीम वर्क, समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की।

उत्कृष्टता की भावना को और मजबूत करने के लिए कल स्वराज द्वीप के लाइटहाउस डाइव साइट पर, ''सबसे ऊंचा मानव पिरामिड'' शीर्षक से एक और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर उपराज्यपाल एडमिरल डी के जोशी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उपस्थित रहेंगे। यह उपलब्धि अंडमान निकोबार द्वीप समूह के एक साहसिक, समुद्री गतिविधियों और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त कार्यक्रमों के केंद्र के रूप में बढ़ते महत्व को रेखांकित करती है।

<><><><><><><>

पोर्ट मोट स्थित विवेकानन्द केन्द्र जिला परिषद विद्यालय में नवनिर्मित सभागार का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया है। इस सभागार का उद्घाटन पांच अप्रैल को सुबह साढ़े नौ बजे उपराज्यपाल एडमिरल डी के जोशी द्वारा किया जाएगा।

<><><><><><><>

सांसद बिष्णु पद रे की अध्यक्षता में, टेलीकॉम सलाहकार समिति की एक बैठक BSNL कार्यालय में आयोजित की जाएगी। इस संबंध में, सभी हितधारकों पंचायती राज संस्थान के सदस्य जैसे ज़िला परिषद, पंचायत समिति और ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया है कि यदि उनकी कोई शिकायतें, सुझाव या विचार हैं, तो वे उन्हें 3 दिनों के भीतर सांसद, के कार्यालय, या उनके ईमेल में जमा कर सकते हैं। सभी संबंधित पक्षों से आग्रह किया जाता है कि वे शीघ्रता से अपनी प्रतिक्रिया दें, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि द्वीपों में टेलीकॉम नेटवर्क सेवाओं से संबंधित मुद्दों का प्रभावी ढंग से समाधान किया जा सके।

<><><><><><><>

विज्ञान केन्द्र द्वारा आयोजित हॉलिडे कैंप का आज उद्घाटन हुआ। इस कैंप का उद्घाटन केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. जय सुंदर ने किया। डॉ. जय सुंदर ने छात्रों को संबोधित करते हुए समकालीन चुनौतियों से निपटने और एक प्रगतिशील समाज को आकार देने में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आज की तेजी से बदलती दुनिया में, वैज्ञानिक सोच की एक मजबूत नींव होना कोई विकल्प नहीं है—यह अनिवार्य है। डॉ. सुंदर ने ऐसे हॉलिडे कैंप आयोजित करने में साइंस सेंटर के निरंतर प्रयासों की भी सराहना की, और कहा कि इस तरह की पहल युवाओं में कम उम्र से ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने संबोधन में, साइंस सेंटर के क्यूरेटर डॉ. मनु वशिष्ठ ने बताया कि इस हॉलिडे कैंप में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां शामिल होंगी,

जिनमें व्यावहारिक प्रयोग, इंटरैक्टिव सत्र और एक्सपोज़र ट्रिप शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के कैंप में आठ अलग–अलग मॉड्यूल या विषय शामिल होंगे, जिनका नेतृत्व अनुभवी शिक्षक और तकनीकी विशेषज्ञ करेंगे। इस कैम्प में सरकारी और निजी स्कूलों के लगभग 115 छात्र भाग ले रहे हैं, जो 31 मई, तक जारी रहेगा।

<><><><><><><>

केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान की ओर से कल कालिकट में "उर्वरकों का संतुलित उपयोग – एक अनिवार्यता" विषय पर किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य द्वीपीय परिस्थितियों में मिट्टी और जल संरक्षण तथा टिकाऊ खेती के एक अनिवार्य घटक के रूप में संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन को बढ़ावा देना था। क्यारी के वैज्ञानिकों की एक टीम ने, जिसमें मत्स्य विज्ञान प्रभाग के प्रधान वैज्ञानिक और प्रमुख डॉ. एम. मुरुगनंदम फसल उत्पादकता बढ़ाने के साथ–साथ लागत कम करने और पर्यावरणीय जोखिमों को न्यूनतम करने के लिए जैविक, जैव और अकार्बनिक पोषक तत्वों के स्रोतों को एकीकृत करने के महत्व पर जानकारी दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक (पशु आनुवंशिकी और प्रजनन), डॉ. रफीक रहमान अल्येथोडी ने आगामी मानसून के मौसम के दौरान पशुधन स्वास्थ्य से जुड़ी प्रमुख चुनौतियों पर चर्चा की और पशु उत्पादकता में सुधार के लिए उचित निवारक और उपचार उपायों की रूपरेखा प्रस्तुत की। वैज्ञानिक (सब्जी विज्ञान) डॉ. पुनीत पी. वी., ने मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखते हुए सब्जी और फलों की फसलों की उत्पादकता को बनाए रखने के लिए संतुलित पोषक तत्व प्रयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में लगभग 25 किसानों ने भाग लिया।

<><><><><><><>

भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित ई–कचरा (प्रबंधन) नियम, 2022 के प्रावधानों के अनुसार अंडमान निकोबार द्वीप समूह के सभी संबंधित लोगों, निवासियों, संस्थानों, बड़े उपभोक्ताओं, सरकारी विभागों, निजी संगठनों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, तथा इलेक्ट्रॉनिक कचरे का काम करने वाली फर्मों को यह सूचित किया जाता है कि उनके परिसर में उत्पन्न और प्रबंधित होने वाले इलेक्ट्रॉनिक कचरे का प्रबंधन नियमों को QR कोड स्कैन करके देखा जा सकता है। ई–कचरे की अनुचित हैंडलिंग से पर्यावरण और जन स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं, जिनमें मिट्टी का दूषित होना, वायु प्रदूषण और नाजुक जलीय पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान शामिल है। इसलिए, सभी हितधारकों से आग्रह किया जाता है कि वे उपरोक्त प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। यह निर्देश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पर्यावरण संरक्षण और ई–कचरे के सतत प्रबंधन के हित में जारी किए गए हैं।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार प्रदूषण नियंत्रण समिति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से कंप्यूटर अकाउंटेंट, जूनियर लेबोरेटरी असिस्टेंट और फील्ड असिस्टेंट के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए है। ये पद पूरी तरह से संविदा के आधार पर 1 वर्ष की अवधि के लिए हैं, जिसे प्रदर्शन के आधार पर आगे बढ़ाया जा सकता है। रिक्ति सूचना और आवेदन प्रपत्र के पूर्ण विवरण की जानकारी, विभाग की वेबसाइट और प्रशासन की वेबसाइट से प्राप्त किए जा सकते है।

<><><><><><><>